EV स्टार्टअप लीनवॉट्स को मिली 2 मिलियन की सीड फंडिंग

विषय सूची (Table of Contents):

>> १. लीनवॉट्स द्वारा ट्राइवेस्ट पार्टनर्स के नेतृत्व में २ मिलियन डॉलर की सीड फंडि...
>> २. अक्टूबर २०२३ में कंपनी की स्थापना और संस्थापकों की आईआईटी-आईआईएम पृष्ठभूमि...
>> ३. मौजूदा उत्पाद पोर्टफोलियो इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए 500W से 6.6kW क्षमता वाले...
>> ४. विनिर्माण क्षमता, आरएंडडी (R D) और आपूर्ति श्रृंखला के विस्तार में फंड का उपय...
>> ५. पब्लिक चार्जिंग समाधान, रेक्टिफायर और हाइब्रिड इन्वर्टर सेगमेंट में प्रवेश की...
>> ६. मार्च २०२७ तक ६० करोड़ रुपये के एआरआर (ARR) का महत्वाकांक्षी लक्ष्य...
>> निष्कर्ष...
>> जनता के सवाल (FAQs)...

भारत में इलेक्ट्रिक वाहन (EV) और ऊर्जा परिवर्तन (Energy Transition) के क्षेत्र में तेजी से विकास हो रहा है। इसी दिशा में काम कर रहे पावर इलेक्ट्रॉनिक्स स्टार्टअपलीनवॉट्स (Leanwatts)ने अपने व्यापार विस्तार के लिए एक महत्वपूर्ण निवेश हासिल किया है। भारत के स्थानीय ग्रिड की स्थितियों और ओईएम (OEMs) की जरूरतों के हिसाब से पावर समाधान तैयार करने वाली इस कंपनी का यह कदम, देश के स्वदेशी ईवी इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने की दृष्टि से बेहद अहम है। आइए विस्तार से जानते हैं कि इस फंडिंग का स्टार्टअप और भारतीय उद्योग पर क्या प्रभाव पड़ेगा।

१. लीनवॉट्स द्वारा ट्राइवेस्ट पार्टनर्स के नेतृत्व में २ मिलि

पॉवर इलेक्ट्रॉनिक्स स्टार्टअप लीनवॉट्स ने हाल ही में घोषणा की है कि उसने दो चरणों में कुल2 मिलियन डॉलर (लगभग 18.15 करोड़ रुपये)की सीड फंडिंग जुटाई है। इस निवेश दौर का मुख्य रूप से नेतृत्वट्राइवेस्ट पार्टनर्स (Trivest Partners)द्वारा किया गया। इसके साथ ही, एंजेल निवेशकों के रूप में अब्राहम जॉर्ज (Abraham George) और आलोक रुंगटा (Alok Rungta) ने भी इस फंडिंग राउंड में अपनी भागीदारी दर्ज कराई है। यह निवेश कंपनी को बड़े पैमाने पर अपने ऑपरेशंस को बढ़ाने में मदद करेगा।

२. अक्टूबर २०२३ में कंपनी की स्थापना और संस्थापकों की आईआईटी

कंपनी के सह-संस्थापकों सुजीत कुमार, प्रदीप चौधरी और अभिलाष रेड्डी ने एक ऐसा पावर इलेक्ट्रॉनिक्स इकोसिस्टम बनाने का दृष्टिकोण रखा है जो विशेष रूप से भारतीय परिस्थितियों के अनुकूल हो। हैदराबाद स्थित अपनी आधुनिक सुविधा (facility) में, स्टार्टअप ने एक मजबूत इन-हाउस क्षमता विकसित की है। यह टीम हार्डवेयर डिजाइन, एम्बेडेड फर्मवेयर और सॉफ्टवेयर से लेकर उत्पाद इंजीनियरिंग, वैलिडेशन (सत्यापन), परीक्षण और गुणवत्ता नियंत्रण (quality) तक के सभी महत्वपूर्ण कार्य स्वयं अपनी

देखरेख में करती है, जो इनकी गहरी इंजीनियरिंग विशेषज्ञता को दर्शाता है।

३. मौजूदा उत्पाद पोर्टफोलियो: इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए 500W

लीनवॉट्स ने अपने व्यवसाय की शुरुआत मुख्य रूप से इलेक्ट्रिक वाहन (EV) चार्जिंग समाधानों से की थी। वर्तमान समय में, स्टार्टअप का मुख्य फोकस उच्च दक्षता (high-efficiency) और हाई-पावर-डेंसिटी वाले पोर्टेबल तथा ऑन-बोर्ड चार्जर विकसित करने पर है। कंपनी का मौजूदा उत्पाद पोर्टफोलियो500W से लेकर 6.6kWक्षमता वाले चार्जर्स तक फैला हुआ है। ये चार्जर मुख्य रूप से इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर्स (दोपहिया वाहनों), L2 और L5 श्रेणी के वाहनों के साथ-साथ ई-ट्रैक्टरों (e-tractors) की ऊर्जा जरूरतों को पूरा कर रहे हैं।

४. विनिर्माण क्षमता, आरएंडडी (R D) और आपूर्ति श्रृंखला के वि

प्राप्त हुई लगभग 18.15 करोड़ रुपये की पूंजी का उपयोग कंपनी अपनी तकनीकी और विनिर्माण क्षमताओं को रणनीतिक रूप से बढ़ाने में करेगी। सह-संस्थापक प्रदीप चौधरी के अनुसार, स्टार्टअप अपनी प्रयोगशालाओं, इंजीनियरों, लागत-प्रभावी डिजाइन और उन्नत सामग्रियों (advanced materials) में निवेश कर रहा है ताकि दीर्घकालिक तकनीकी क्षमता का निर्माण किया जा सके। वहीं, सह-संस्थापक अभिलाष रेड्डी ने बताया कि इस फंड की मदद से कंपनी अपनी आपूर्ति श्रृंखला (supply chain) को मजबूत करेगी, उपकरणों केस्थानीयकरण (localisation)को बढ़ावा देगी। इसके अतिरिक्त, कंपनी उद्योग-उन्मुख अनुसंधान (R D) के लिए प्रमुख इंजीनियरिंग संस्थानों के साथ भी सहयोग कर रही है।

५. पब्लिक चार्जिंग समाधान, रेक्टिफायर और हाइब्रिड इन्वर्टर स

ईवी चार्जर्स में सफलता के बाद, लीनवॉट्स अब अपने प्रौद्योगिकी प्लेटफॉर्म का विस्तार व्यापक ऊर्जा इकोसिस्टम में कर रहा है। कंपनी अब पब्लिक चार्जिंग समाधान, रेक्टिफायर (rectifiers), पावर मॉड्यूल, हाइब्रिड इन्वर्टर और अन्य पावर कन्वर्जन एप्लिकेशन्स के क्षेत्र में उतरने की तैयारी कर रही है। सह-संस्थापक सुजीत कुमार का मानना है कि भारत के ग्रिड की स्थिति, संचालन के कठिन माहौल और विविध आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए उत्पादों को विशेष रूप से डिजाइन किया जाना चाहिए, और कस्टमर-फर्स्ट दृष्टिकोण के साथ ही विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धी कंपनी बनाई जा सकती है।

६. मार्च २०२७ तक ६० करोड़ रुपये के एआरआर (ARR) का महत्वाकांक

अपने मौजूदा ईवी चार्जिंग प्रोग्राम के सफल विस्तार और पावर इलेक्ट्रॉनिक्स के नए क्षेत्रों में प्रवेश के दम पर, लीनवॉट्स ने

भविष्य के लिए एक बड़ा वित्तीय लक्ष्य निर्धारित किया है। स्टार्टअप का लक्ष्यमार्च 2027 तक लगभग 60 करोड़ रुपये (6.25 मिलियन)की वार्षिक राजस्व रन-रेट (Annualised Revenue Run-rate - ARR) हासिल करना है। यह लक्ष्य भारत के पावर इलेक्ट्रॉनिक्स बाजार में कंपनी के मजबूत विश्वास को दर्शाता है।

निष्कर्ष

लीनवॉट्स (Leanwatts) को मिली यह 2 मिलियन डॉलर की सीड फंडिंग इस बात का प्रमाण है कि भारतीय ईवी और ऊर्जा इंफ्रास्ट्रक्चर क्षेत्र में निवेशकों का भरोसा लगातार मजबूत हो रहा है। स्थानीय परिस्थितियों (Indian realities) के हिसाब से उत्पाद बनाने और मजबूत आरएंडडी (R D) पर जोर देने से, यह स्टार्टअप न केवल भारत के इलेक्ट्रिक वाहन इकोसिस्टम को गति देगा, बल्कि पावर इलेक्ट्रॉनिक्स के क्षेत्र में आयात पर निर्भरता कम करके स्वदेशी आपूर्ति श्रृंखला को भी मजबूत करेगा।

जनता के सवाल (FAQs)

लीनवॉट्स एक पावर इलेक्ट्रॉनिक्स स्टार्टअप है जिसका प्लांट हैदराबाद में स्थित है। वर्तमान में यह मुख्य रूप से इलेक्ट्रिक वाहनों (ई-टू-व्हीलर, L2, L5 और ई-ट्रैक्टर) के लिए 500W से 6.6kW क्षमता वाले हाई-एफिशिएंसी पोर्टेबल और ऑनबोर्ड चार्जर बनाती है।

स्टार्टअप ने ट्राइवेस्ट पार्टनर्स (Trivest Partners) के नेतृत्व में 2 मिलियन डॉलर (लगभग 18.15 करोड़ रुपये) की सीड फंडिंग प्राप्त की है। इसमें एंजेल निवेशक अब्राहम जॉर्ज और आलोक रुंगटा भी शामिल हैं।

इस राशि का इस्तेमाल कंपनी अपनी अनुसंधान और विकास (R D) सुविधाओं को बेहतर बनाने, सप्लाई चेन (आपूर्ति श्रृंखला) को मजबूत करने, उपकरणों का स्थानीयकरण बढ़ाने और विनिर्माण क्षमता का विस्तार करने में करेगी।

कंपनी पब्लिक चार्जिंग समाधान, रेक्टिफायर और हाइब्रिड इन्वर्टर जैसे नए सेगमेंट में प्रवेश करके मार्च 2027 तक लगभग 60 करोड़ रुपये (6.25 मिलियन) के एनुअलाइज्ड रेवेन्यू रन-रेट (ARR) तक पहुंचने का लक्ष्य लेकर चल रही है।